B- 4
L- 9
Indian Society

भारत में जाति - राजनीति

भारत में जाति - राजनीति संबंध का ऐतिहासिक विश्लेषण →

- २००२ में राष्ट्रीय आयोग ने निर्वाचन में सुधार हेतु एक रिपोर्ट दी, जिसमें जाति आधारित चुनाव अभियान को रोकने की सिफारिश की गयी।
- २००७ में द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की चौथी रिपोर्ट में, प्रशासन में जातिवाद को रोकने पर बल दिया गया।
- २०१३ में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा राजनीतिक दलों को जातीय आधार पर रैली निकालने को रोकने का आदेश दिया गया।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

उत्तर भारत में जाति- राजनीति संबंध →

उत्तर भारत की सामाजिक संरचना-

- समाज अगाड़ी एवं पिछड़ी जातियों में विभक्त ।
- 1945-1970 के काल में उच्च जातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण ।
- 1970 के बाद मध्यवर्गीय जातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण ।
- 1980-1990 तक दलित जातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण ।
- 1990- २०२० तक बिखराव का काल ।

KGS IAS

भारत में जाति- राजनीति संबंध का अर्थ →

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में राजनीति का जाति पर प्रभाव और जाति का राजनीति पर प्रभाव को जाति- राजनीति संबंध की संज्ञा दी जाती है।

भारत में जाति- राजनीति संबंध का स्वरूप →

भारत में जाति- राजनीति संबंध को दो रूपों में देखा जा सकता है-

(i) राजनीति में जाति

(ii) जाति में राजनीति

राजनीति में जाति →

राजनीतिक दलों द्वारा सत्ता प्राप्ति हेतु राजनीति में जाति का प्रयोग, जैसे-

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

- विशिष्ट जाति के आधार पर राजनीतिक दलों का निर्माण।
- विशिष्ट जातियों को, उनके हितों को पूरा करने का वायदा।
- जातीय आधार पर टिकट का बंटवारा।
- चुनाव जीतने के लिए जातीय समीकरणों का निर्माण।
- सरकार में जातीय आधार पर मंत्रियों को प्रतिनिधित्व।
- राजनीति में जातिवाद अर्थात् सरकार द्वारा विशिष्ट जातियों को सरकारी लाभ प्रदान करना।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जाति में राजनीति →

अर्थात् जनता द्वारा सामाजिक - आर्थिक

हितों की पूर्ति हेतु राजनीति में जाति का प्रयोग, जैसे -

- आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने हेतु दबाव समूह के रूप में जाति संगठनों (Cast Association) का निर्माण (जैसे- जाट महासभा, गुर्जर महापंचायत आदि)।
- आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने हेतु जातीय संघों का निर्माण (जैसे- अखिल भारतीय वैश्य महासभा, अखिल भारतीय यादव महासभा आदि)।
- जनता द्वारा जातीय आधार पर राजनीति में सहभागिता।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

जातीय - राजनीति संबंध के हानि/ नकारात्मक पक्ष/ विपक्ष में तर्क →

- राजनीति में तथा समाज में, जातीय निष्ठा को विकसित करके जातिवाद को बढ़ावा और आधुनिक समाज का निर्माण बाधित।
- राजनीति में जातिवाद से विकास की प्रक्रिया बाधित।
- विभिन्न जातियों के मध्य नकारात्मक प्रतिस्पर्धा से जाति संघर्ष एवं जातीय तनाव में वृद्धि - फलत! सामुदायिक सौहार्द्रता कमजोर।
- बहुसंख्यक संख्यक एवं प्रभु जातियों (Dominant Caste) द्वारा अल्पसंख्यक जातियों के हितों का हनन करके, समतामूलक समाज के निर्माण की प्रक्रिया बाधित।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- राजनीति में गुटबंदी एवं राजनीतिक अस्थिरता- फलत: लोकतंत्र कमजोर।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR